CORPORATE OFFICE
Delhi Office
706 Ground Floor Dr. Mukherjee Nagar Near Batra Cinema Delhi – 110009
Noida Office
Basement C-32 Noida Sector-2 Uttar Pradesh 201301

CURRENT AFFAIRS

Yojna IAS
yojnaias.com
योजना है तो सफलता है

website : www.yojnaias.com
Contact No. : +91 8595390705

दिनांक: 20 अक्टूबर 2023

ग्लोबल मैरीटाइम इंडिया समिट 2023

इस लेख में "दैनिक करंट अफेयर्स" और विषय विवरण "ग्लोबल मैरीटाइम इंडिया समिट 2023" शामिल है। यह विषय संघ लोक सेवा आयोग के सिविल सेवा परीक्षा के "अर्थव्यवस्था" अनुभाग में प्रासंगिक है।

प्रारंभिक परीक्षा के लिए:

- *ग्लोबल मैरीटाइम इंडिया समिट 2023 क्या है?*
- *ब्लू इकोनॉमी क्या है?*

मुख्य परीक्षा के लिए:

- *सामान्य अध्यय-03: अर्थव्यवस्था*

सुर्खियों में क्यों?

- हाल ही में,**ग्लोबल मैरीटाइम इंडिया समिट 2023** का उद्घाटन प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने किया

ग्लोबल मैरीटाइम इंडिया समिट 2023-

- प्रधानमंत्री ने **23,000 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं की आधारशिला** रखी और समुद्री क्षेत्र में कई पहलों को समर्पित किया।
- कार्यक्रम के दौरान, उन्होंने **'अमृत काल विजन 2047' का अनावरण** किया, जो भारतीय समुद्री ब्लू इकोनॉमी के लिए एक ब्लूप्रिंट है।
- वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में विश्वसनीयता महत्वपूर्ण है, और उन्होंने वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत की बढ़ती भूमिका पर जोर दिया।
- उन्होंने बंदरगाहों और समुद्री बुनियादी ढांचे के लिए सरकार की योजनाओं का अवलोकन दिया, जिसमें स्थिरता, **रोजगार के अवसर और रसद में क्रांतिकारी सुधार** शामिल हैं।
- प्रधान मंत्री **ने हरित ग्रह के लिए ब्लू इकोनॉमी के महत्व के साथ-साथ "मेक इन इंडिया – मेक फॉर द वर्ल्ड" के** प्रति भारत की प्रतिबद्धता पर जोर दिया।
- उन्होंने समुद्री पर्यटन के विस्तार और एक **प्रमुख वैश्विक क्रूज केंद्र बनने** के लिए अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे के निर्माण के भारत के लक्ष्य के बारे में भी बात की।
- शिखर सम्मेलन भारत के समुद्री क्षेत्र में निवेश आकर्षित करने का एक प्रमुख अवसर है।
- 2016 में**, मुंबई ने उद्घाटन मैरीटाइम इंडिया शिखर सम्मेलन की मेजबानी की**, इसके बाद 2021 में एक आभासी दूसरा शिखर सम्मेलन हुआ।
- **2023 शिखर सम्मेलन में यूरोप, अफ्रीका, दक्षिण अमेरिका और एशिया** (मध्य एशिया, मध्य पूर्व और बिम्सटेक क्षेत्र सहित) में फैले विभिन्न देशों का प्रतिनिधित्व करने वाले मंत्रियों की भागीदारी होगी।

समुद्री ब्लू इकोनॉमी-

- **आर्थिक वृद्धि, बेहतर आजीविका और समुद्री पारिस्थितिक तंत्र** के **स्वास्थ्य के रखरखाव** के लिए समुद्री संसाधनों के सतत उपयोग और प्रबंधन को "समुद्री ब्लू इकोनॉमी" कहा जाता है।
- इसमें वे सभी **व्यावसायिक और गतिविधियां शामिल** हैं जो **समुद्र, महासागरों और तटरेखाओं** का उपयोग करते हैं या उनमें योगदान करते हैं।
- **"समुद्री ब्लू इकोनॉमी " का विचार उन मूल्यवान संसाधनों को** स्वीकार करता है जो महासागर आर्थिक विकास और मानव कल्याण दोनों के लिए प्रदान करते हैं।

- इसमें **जलीय कृषि , मत्स्य पालन और समुद्री परिवहन जैसे अधिक स्थापित** उद्योगों के साथ-साथ **बायोप्रोस्पेक्टिंग, समुद्री खनन, समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र** सेवाएं और तटीय नवीकरणीय ऊर्जा जैसे हाल के उद्योग भी शामिल हैं।

भारत के लिए ब्लू इकोनॉमी का महत्व-

- **आर्थिक अवसर:** भारत की ब्लू इकोनॉमी **अपने सकल घरेलू उत्पाद में 4%** का योगदान देती है और परिवहन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, जो महत्वपूर्ण आर्थिक संभावनाएं प्रदान करती है।
- **रोजगार सृजन:** ब्लू इकोनॉमी लाखों लोगों को रोजगार प्रदान करती है, जिसमें **मत्स्य पालन 16 मिलियन को रोजगार** देता है और शिपिंग में भारतीय समुद्री यात्रियों में 35% की वृद्धि देखी जाती है।
- **तटीय राज्य:** आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और केरल जैसे तटीय राज्य आजीविका के लिए ब्लू इकोनॉमी पर बहुत अधिक निर्भर करते हैं।
- **समुद्री पर्यटन:** तटीय पर्यटन, विशेष रूप से केरल, तमिलनाडु और कर्नाटक जैसे राज्यों में, कुल रोजगार का लगभग 23% के साथ स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं में महत्वपूर्ण योगदान देता **है।**
- **कौशल विकास:** मत्स्य पालन और शिपिंग जैसे विकसित क्षेत्रों को विशेष रूप से जलवायु परिवर्तन और बदलती पर्यावरणीय परिस्थितियों के जवाब में कौशल विकास की आवश्यकता होती है।
- **उभरते क्षेत्र:** अपतटीय पवन ऊर्जा, समुद्री जीव विज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी में नए अवसर पूर्ण प्राप्ति के लिए निवेश, तकनीकी सहायता और कौशल विकास की मांग करते हैं।
- **स्थिरता**: भारत की ब्लू इकोनॉमी दीर्घकालिक सफलता के लिए आर्थिक विकास और पर्यावरण संरक्षण को संतुलित करना सर्वोपरि है।

स्रोत: पत्र सूचना कार्यालय (pib.gov.in)

प्रारंभिक परीक्षा प्रश्न-

प्रश्न-01. वैश्विक समुद्री भारत शिखर सम्मेलन के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. ग्लोबल मैरीटाइम इंडिया शिखर सम्मेलन अक्टूबर 2023 में मुंबई में आयोजित किया गया था।
2. शिखर सम्मेलन के दौरान, भारत सरकार ने 'अमृत काल विजन 2047' का अनावरण किया, जो भारतीय समुद्री ब्लू इकोनॉमी के लिए एक खाका है।

उपरोक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) उपरोक्त में कोई नहीं
उत्तर: (B)

प्रश्न-02. निम्नलिखित पर विचार कीजिए:
1. ब्लू इकोनॉमी आर्थिक विकास के लिए महासागर संसाधनों के सतत उपयोग और प्रबंधन से जुड़ी हुई है।
2. इसमें स्थानीय समुदाय की आजीविका और समुद्री पारिस्थितिक तंत्र के स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करना भी शामिल है।
3. इसमें जलीय कृषि, मत्स्य पालन और समुद्री परिवहन जैसे अधिक स्थापित उद्योगों ब्लू इकोनॉमी के तहत कुछ गतिविधियां हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं?
(a) केवल एक
(b) केवल दो
(c) उपर्युक्त सभी।
(d) उपरोक्त में कोई नहीं
उत्तर: (c)

मुख्य परीक्षा प्रश्न-
प्रश्न-03. ब्लू इकोनॉमी की अवधारणा पर चर्चा करें और दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में से एक बनने के संदर्भ में भारत के लिए इसके महत्व का मूल्यांकन कीजिए?

Rajiv Pandey

नौका सेवा

इस लेख में "दैनिक करंट अफेयर्स" और विषय विवरण "पाक जलडमरूमध्य नौका सेवा" शामिल है। यह विषय संघ लोक सेवा आयोग के सिविल परीक्षा के भूगोल अनुभाग में प्रासंगिक है।

प्रारंभिक परीक्षा के लिए
- पाक जलडमरूमध्य

मुख्य परीक्षा के लिए
- *सामान्य अध्ययन -01: भूगोल*
- सामान्य अध्ययन-02: अंतराष्ट्रीय संबंध

खबरों में क्यों?
- हाल ही में, कनेक्टिविटी में सुधार के लिए, भा**रत और श्रीलंका ने पाक जलडमरूमध्य में एक नौका सेवा शुरू की है।** यह पहल श्रीलंकाई गृहयुद्ध के **कारण जाफना में कांकेसंथुराई और तमिलनाडु में नागपट्टिनम के बीच संपर्क कट जाने के लगभग 40 साल** बाद शुरू की गई थी।
- चूंकि **कांकेसंथुराई श्रीलंका का बंदरगाह है जो भारत के पश्चिमी तट पर बंदरगाहों के सबसे करीब है,** इसलिए यह अनुमान लगाया गया है कि हाल ही में शुरू की गई नौका सेवा का यात्रा और व्यापार पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

पृष्ठभूमि:
- **भारत और श्रीलंका को अलग करने वाला पाक जलडमरूमध्य** दोनों देशों के बीच विवाद का कारण रहा है, जो मुख्य रूप से मछली संसाधनों के बंटवारे से संबंधित है।

- यह **जलडमरूमध्य समुद्री संसाधनों , विशेष रूप से झींगा के लिए एक महत्वपूर्ण प्रजनन स्थल** होने के लिए जाना जाता है।
- अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा **(आईएमबीएल) नामक एक काल्पनिक सीमा रेखा स्थापित करने के लिए 1970** के दशक में हुए समझौते के बावजूद, **भारतीय मछुआरे, मुख्य रूप से तमिलनाडु और पुडुचेरी के , श्रीलंकाई जल क्षेत्र के भीतर कथित** "अवैध शिकार" या "अ**वैध" मछली पकड़ने के लिए श्रीलंकाई नौसेना द्वारा गिरफ्तारी** का सामना कर रहे हैं।
- दोनों सरकारें द्विपक्षीय वार्ताओं के कई दौर में शामिल हुई हैं, और दोनों पक्षों के मछुआरा समुदाय के नेताओं ने वर्षों से बातचीत की है। हालाँकि, इस समस्या का दीर्घकालिक समाधान अभी भी अस्पष्ट है।

पाक जलडमरूमध्य के बारे में:

- पाक जलडमरूमध्य भारत के **तमिलनाडु राज्य को श्रीलंका के द्वीप राष्ट्र से जोड़ने वाला एक** संकीर्ण जल निकाय है।
- **इसका नाम रॉबर्ट पाल्क से लिया गया है , जो 1755 से 1763 तक मद्रास प्रेसीडेंसी में ब्रिटिश राज** प्रशासक थे।
- जलडमरूमध्य पूर्व में पंबन द्वीप (भारत), प**श्चिम में एडम ब्रिज (जिसे राम का पुल** जाना जाता है), मन्नार की खाड़ी औ**र मन्नार द्वीप (श्रीलंका) से घिरा हु**आ है।
- यह उत्तर में उत्तर-पूर्वी बंगाल की खाड़ी और **दक्षिण में मन्नार की दक्षिण-पश्चिमी खाड़ी के बीच एक** महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में कार्य करता है।
- जलडमरूमध्य के **दक्षिण-पश्चिमी खंड को अक्सर पाक खाड़ी के** रूप में जाना जाता है।
- पाक जलडमरूमध्य की चौड़ाई **330 फीट (लगभग 100 मीटर) से कम है ,** और इ**सकी लंबाई 40 से 85 मील (लगभग 64 से 137** किलोमीटर) तक है।
- तमिलनाडु में **वैगई नदी सहित विभिन्न नदियाँ जलडमरूमध्य** में बहती हैं।
- पाक जलडमरूमध्य के समुद्र तट के साथ-सा**थ जाफना का बंदरगाह शहर है , जो उत्तरी श्रीलंका में एक महत्वपूर्ण वाणिज्यिक** केंद्र है।

एडम ब्रिज के बारे में:

- पम्बन द्वीप, जि**से रामेश्वरम द्वीप के नाम से भी जाना जाता है ,** भारत के तमिलनाडु के **दक्षिण-पूर्वी तट पर स्थित है,** और मन्नार द्वीप से जुड़ा है, जो चूना पत्थर के चट्टानों से बने एडम ब्रिज द्वारा श्रीलंका के उत्तर-पश्चिमी तट पर स्थित है।

- अपने भूविज्ञान के संदर्भ में, यह पुल पहले श्रीलंका और भारत को जोड़ने वाला एक भूमि मार्ग था।
- यह पुल **दक्षिण-पश्चिम में मन्नार की खाड़ी को उत्तर-पूर्व में पाक जलडमरूमध्य से जोड़ता है** और यह लगभग **50 किलोमीटर** लंबा है।
- रेत के किनारों के कुछ हिस्से सूखे हैं, और **क्षेत्र में समुद्र काफी उथला है** , **विभिन्न स्थानों में 1 से 10 मीटर तक की गहराई** के साथ, नेविगेशन को चुनौतीपूर्ण बनाता है।
- **वैज्ञानिक सिद्धांत के अनुसार, राम सेतु, जिसे एडम ब्रिज के नाम से भी जाना जाता है,** एक प्राकृतिक रूप से उत्पन्न होने वाली संरचना है जो टेक्टोनिक गतिविधियों और **मूंगों में रेत के निर्माण के कारण उत्पन्न हुई थी।**
- यह संरचना हिंदू और मुस्लिम दोनों **परंपराओं में सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व रखती है।** हिंदुओं का मानना है कि यह भगवान **राम और उनकी सेना द्वारा लंका तक जाने के लिए और रावण का सामना करने के लिए बनाया गया पुल है।** इस्लामी किंवदंती में, यह आदम से जुड़ा हुआ है, जिस विश्वास के अनुसार, श्रीलंका में एडम की चोटी तक पहुंचने के लिए पुल का इस्तेमाल किया था, जहां वह 1,000 वर्षों तक पश्चाताप में एक पैर पर खड़े रहे थे।

स्त्रोत-40 साल बाद फिर शुरू हुई श्रीलंका-भारत नौका सेवा

प्रारंभिक परीक्षा प्रश्न-

प्रश्न-01 पाक जलडमरूमध्य के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. वैगई नदी पाक जलडमरूमध्य में बहती है।
2. पाक जलडमरूमध्य तमिलनाडु को श्रीलंका से जोड़ता है।

उपरोक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर- C

प्रश्न-02 पाक जलडमरूमध्य के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. जाफना बंदरगाह पाक जलडमरूमध्य के साथ स्थित है।
2. मैंगलोर बंदरगाह पाक जलडमरूमध्य के साथ स्थित है।

उपरोक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर– A

मुख्य परीक्षा प्रश्न-

प्रश्न-03 समुद्री सुरक्षा के संदर्भ में पाक जलडमरूमध्य के सामरिक महत्व और भारत-श्रीलंका संबंधों पर इसके प्रभावों पर चर्चा कीजिए।

Rajiv Pandey

Yojna IAS
योजना है तो सफलता है
yojnaias.com